



D-1114

# पाठ बिल्लू का समोसा





कॉन्सिडरेशन प्राप्त का जन्म बहुत  
मजबूत था। मैं, जो अब कॉलेजियन  
में हूँ, हुआ था। एम.ए. (राजनीति  
शास्त्र) और पद्म श्री का  
उद्घोषण करने के बाद उनका  
कॉन्सिडरेशन 1960 के दशक  
सिंहान में शुरू हुआ।

उन दिनों का भारत में विदेशी  
कॉन्सिडरेशन काफी थी। प्रत्येक नया  
प्राप्त को राज्य का एक नया  
विदेशी या कॉन्सिडरेशन शुरू  
होता। उनके प्रमुख लोग हैं - राज  
श्रीवास्ती, मधु, श्रीवास्ती, पिता,  
बिन्दु और रमन।

सिंहान शुरू होने के बाद ही  
उनकी 1995 में पेरुल और द ट्विन  
अवार्ड से पुरस्कृत किया। उनकी  
प्राप्त श्रीवास्ती सिंहान को इन्टरनेशनल  
म्युजिकल और कॉन्सिडरेशन  
अवार्ड में स्थायी रूप से रखा गया  
है। 1983 में स्वर्गीय प्रधानमंत्री  
श्रीमती इंदिरा गांधी ने प्रत्येक की  
राष्ट्रीय एकात्मता पर बड़ी कॉन्सिडरेशन  
'रमन-रमन एक है' का निर्माण  
किया।

प्रत्येक के परिवार की लोकप्रियता  
का रहस्य है कि वे तीर्थ सारल द्वारा  
द्वारा पाठकों को भीतर तक गूँदगूँदा  
रहे हैं।

प्रकाशक



# बिल्लू का समांसा

बेटे! लो  
वेजिटेबल  
सैंडविच  
खा लो.



वाह! मम्मी,  
तुम उसी वक़्त  
आयीं जब मुझे  
भूख ज़ोरों की  
सना रही  
थी.



यह फोन  
जसुर जोज़ी  
का होगा. पहले  
उसे सुनना जरूरी  
है. नाश्ता बाद  
में खा लूंगा.

## ड्रिन न ड्रिन न!

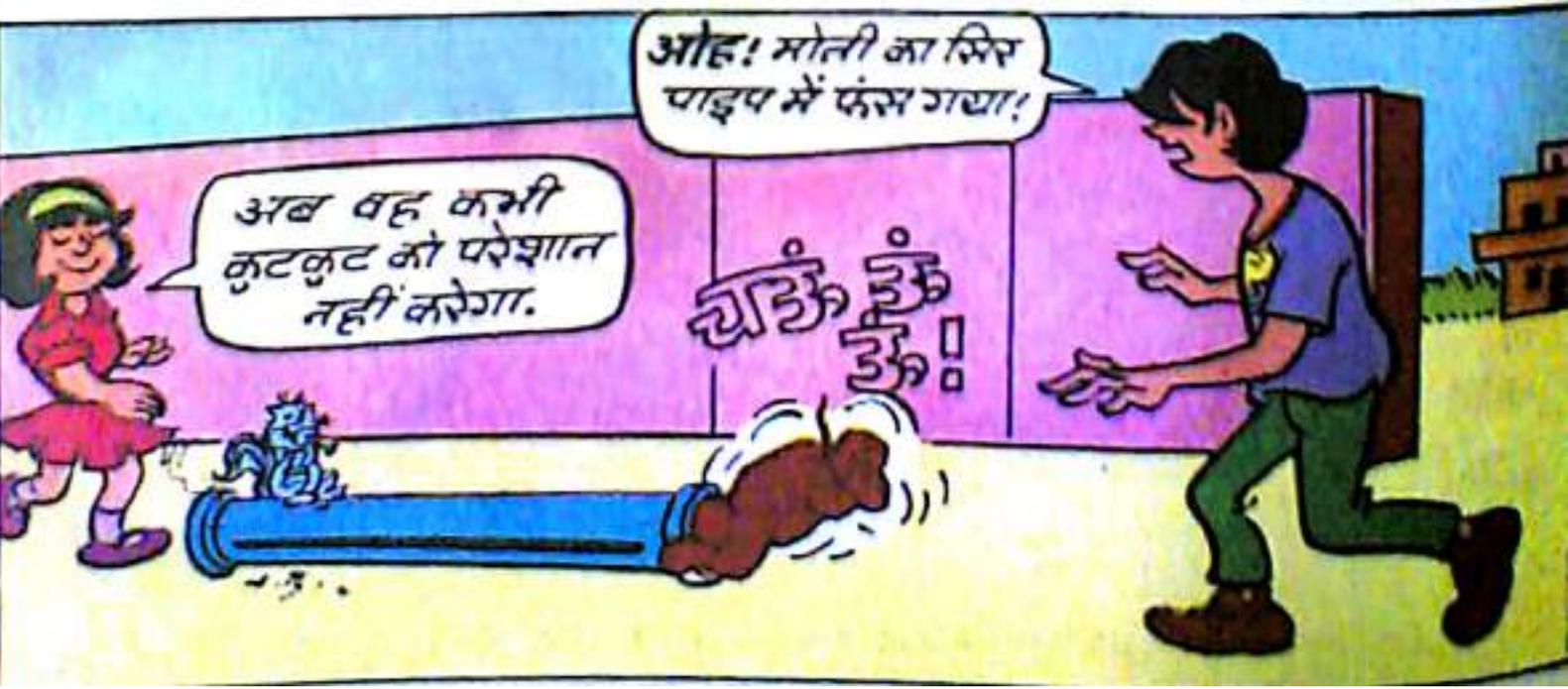
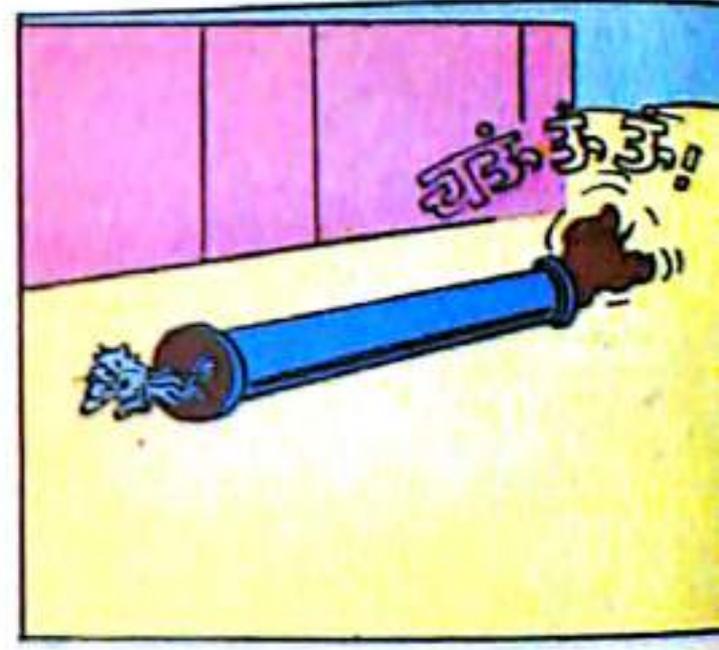
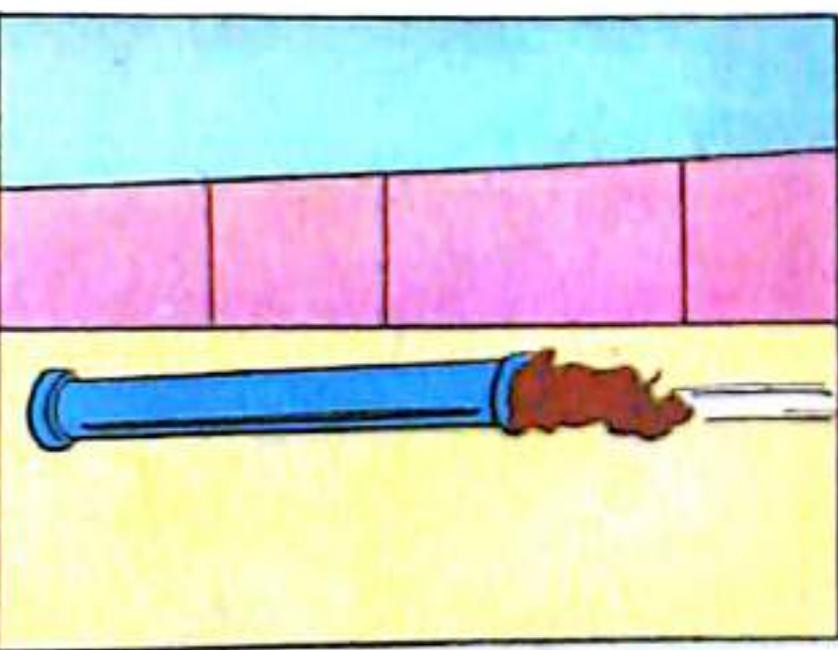
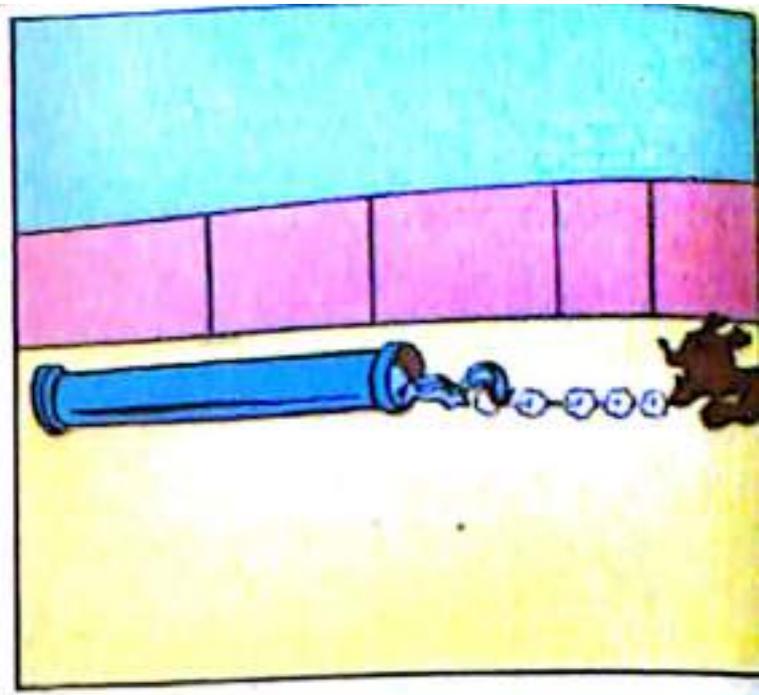
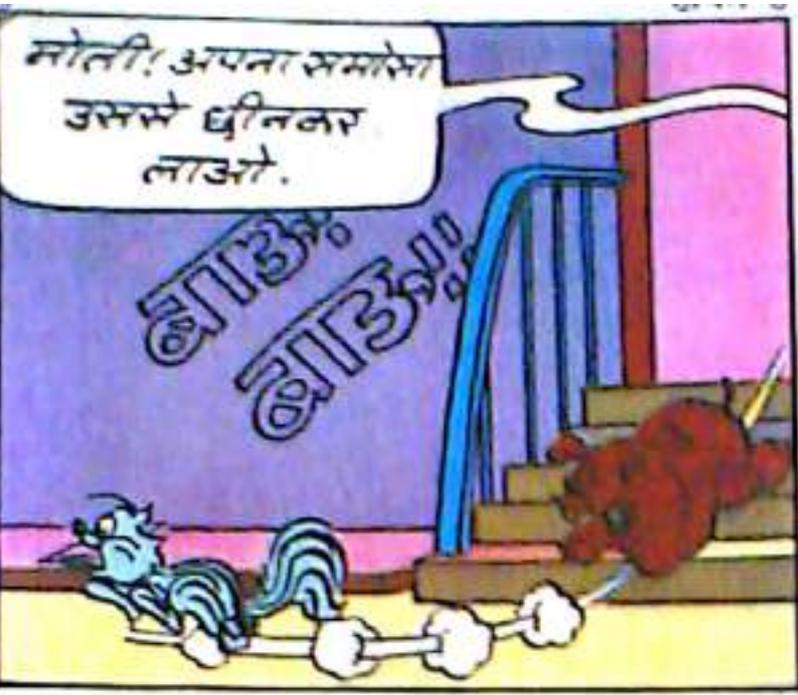


TITLE BILLOO AND THE CHARACTER ARE COPYRIGHT REGISTERED BY GOVERNMENT OF INDIA FOR THE PROPRIETORS PPMAN'S  
FEATURES. A-64, NARAYAN VISHAL, NEW DELHI. REPRODUCTION OF ANY PART OF THIS BOOK IS STRICTLY PROHIBITED. NO ACTUAL PERSON  
IS NAMED OR DELINEATED IN THIS FICTION COMICS. ANY SIMILARITY TO REAL PERSON BEING OR PLACE IS PURELY COINCIDENTAL.









# कर्मल साहब के बाल



बेटी जोजी! जरा मेरी बंदूक देना.

डैडी! क्या बाहर कोई सूख्खार जानवर है?



उससे भी ज्यादा बुरा. बिल्लू इधर आ रहा है.

© FRAN'S FEATURES



वह हमारे परिवार का दुश्मन नहीं है. वह हमारा हितैषी है.

नहीं, वह हमेशा मेरा कोई न कोई नुकसान करता है.





देखा? आप इसे नहीं पहचान पाए न? यह फोटो आपकी है. मैंने सिर्फ रंग से इसके बाल काले किये हैं.



मुझे आइडिया आया कि अगर आप स्विजाब लगाने लगे तो आप बीस साल कम उम्र के लगेगे.



यही नहीं जब आपकी फर्सने लिटी खुब भूरत होगी तो हर कोई आपके आगे दोस्ती का हाथ बढ़ाएगा.

बिल्लू! अगर मैं तुम्हें गोली मार देता तो अपने आप को कभी माफ न करता.



मैं जाकर आपके लिए स्विजाब लाता हूं.

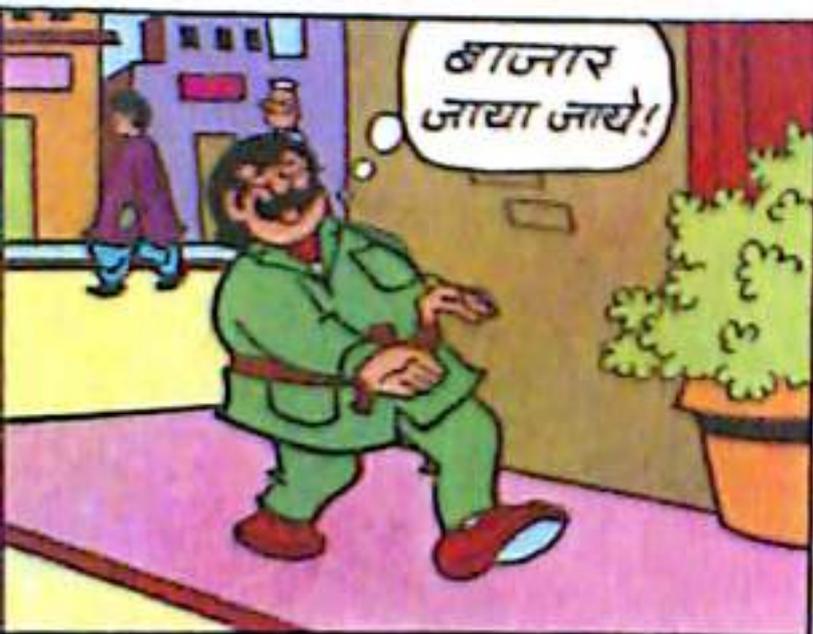


कुछ देर बाद.

लीजिए, इस स्विजाब को धालों में लगाइए और अपने दोस्तों की संख्या बढ़ाइए.



मैं इसे इस्तेमाल करने के लिए बेताब हूँ.





# नट्टू का गंजित



नट्टू! इस  
ठकत तुम्हें  
अपनी क्लास  
में होना  
चाहिए था.



रॉकी! मैं  
टाफियां  
खाने के  
लिए बाहर  
आया हूं.



तुमने  
टाफियां  
के रैपरस  
कॉरिडोर में  
फैंक कर इसे  
गंदा कर  
दिया है.

थोड़ी देर में प्रिंसिपल  
मैडम टसमस इधर से  
गुजरने वाली हैं. इससे  
पहले कि वह इस कूड़े को  
देखें, तुम इसे साफ कर दो.











# मम्मी का फोटो



बेटे! तुम्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का यह अवसर है.

पापाजी! शहर में एक फोटो प्रतियोगिता हो रही है.

फोटो प्रतियोगिता  
पहला इनाम  
₹. 10,000/-

पर कैमरा कहां से आयेगा?

मेरे पास एक है. वह मैं तुम्हें दे सकता हूं.

मोना, कैमरा कहां रखा है?

वह कुछ रोज पहले डी ब्लॉक में रहने वाले अपने मित्र उपाध्यायजी ले गये थे.



बिल्लू! इससे पहले कि उपाध्यायजी दरवाजा निकल जायें, तुम उनके घर में कैमरा ले आओ.



ठीक है. मैं अभी जाता हूँ.



वह रहा उनका मकान.



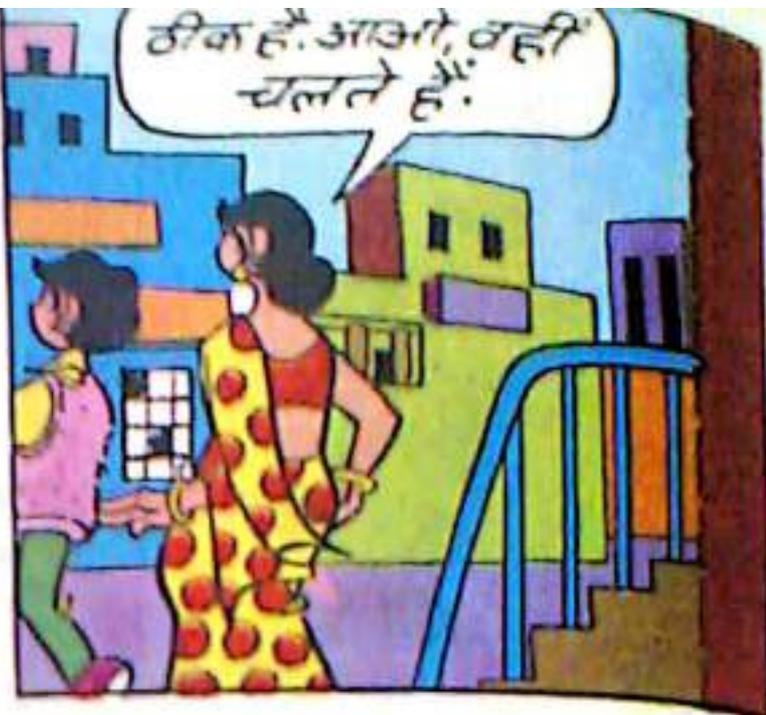
उपाध्याय अंकल! क्या हमारा कैमरा आपके पास है?

हां, रुको! मैं अंदर से लाता हूँ.



यह रहा वह. हम पिकनिक पर गये थे. वहां कुछ फोटो खींचे थे.







# बादशाह



बजरंगी पहलवान/ क्या बात है, आज व्यायाम कुछ ज्यादा हो रहा है.

बिल्लू, शाम को सलामे-हिन्दू का दंगल है. मैं उसकी तैयारी कर रहा हूँ.



वहाँ कुश्तियां देखने हजारों लोग आयेंगे. अगर मैं जीत गया तो पांच हजार रुपये नकद का इनाम मिलेगा.

मारे गोली दंगल को. मैं तुम्हारे लिए उससे अच्छा काम लाया हूँ. टी. वी. सीरियल में काम करोगें? ज्यादा पैसा मिलेगा.



उम्माद! शाही दंगल धुड़कर क्या नौटंकी में काम करोगे? वह चूहा तुम्हें गुमराह कर रहा है.



ओचलो. बादशाह का रोल है. लाखों लोग टी.वी. पर तुम्हें देखेंगे और ऐसे भी ज्यादा मिलेंगे.



कई दूसरे पहलवान एक्टिंग के क्षेत्र में चले गये हैं. अगर यह मौका चूक गया तो उन्नभर पधुनाओगे



मगर बिल्लू, मैं तो अनपढ़ हूँ और डायलॉग नहीं बोल सकता.



वह सब मुझ पर धुड़ दो मैं तुम्हें मंजा हुआ एक्टर बना दूंगा.

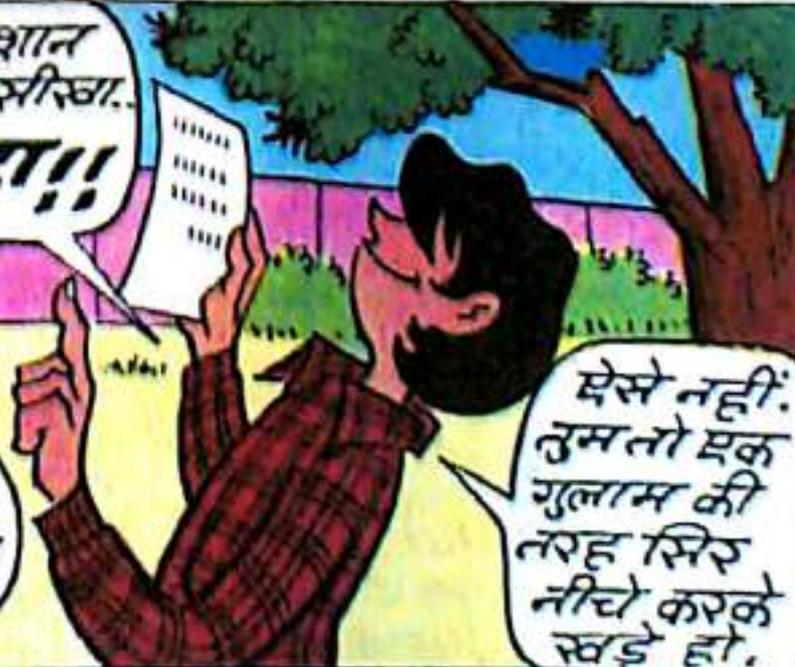


डायलॉग बोलो! मैं एक बादशाह हूँ. शान से जीता हूँ. मैंने सिर झुकाना नहीं सीखा.

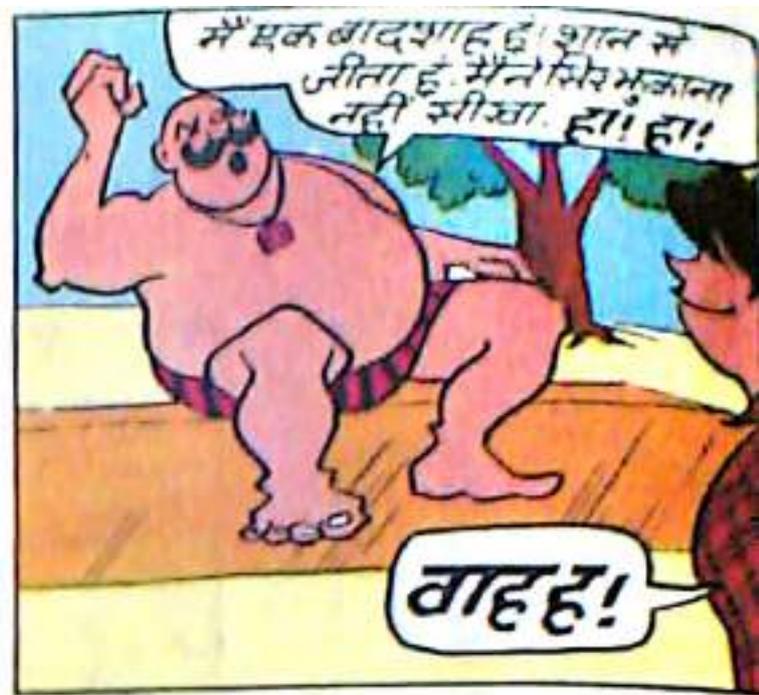


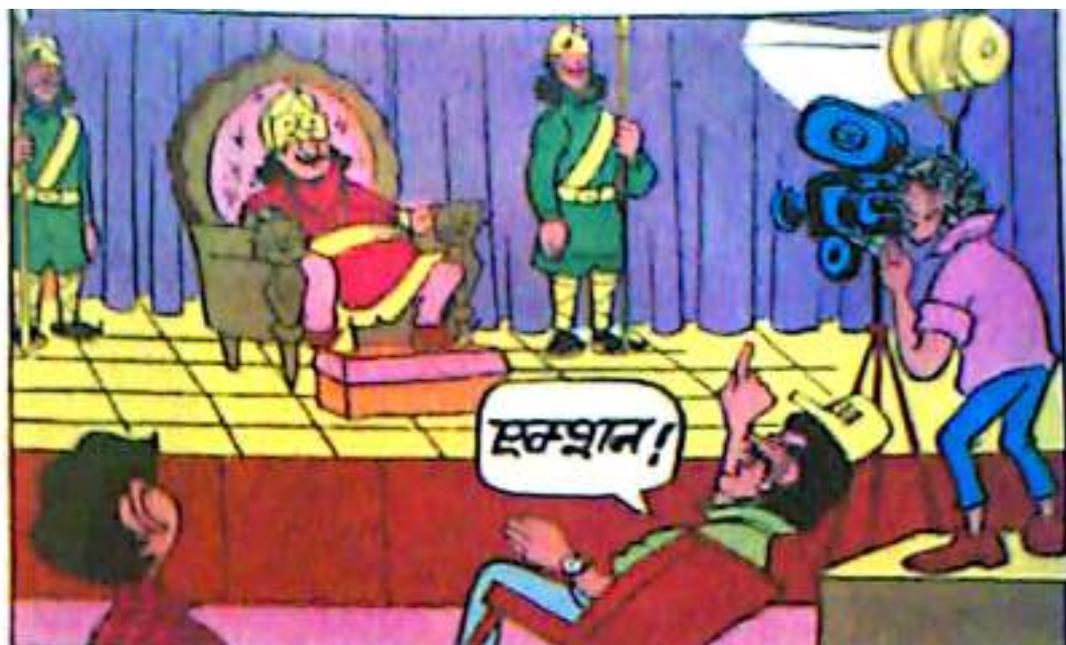
हा! हा!!

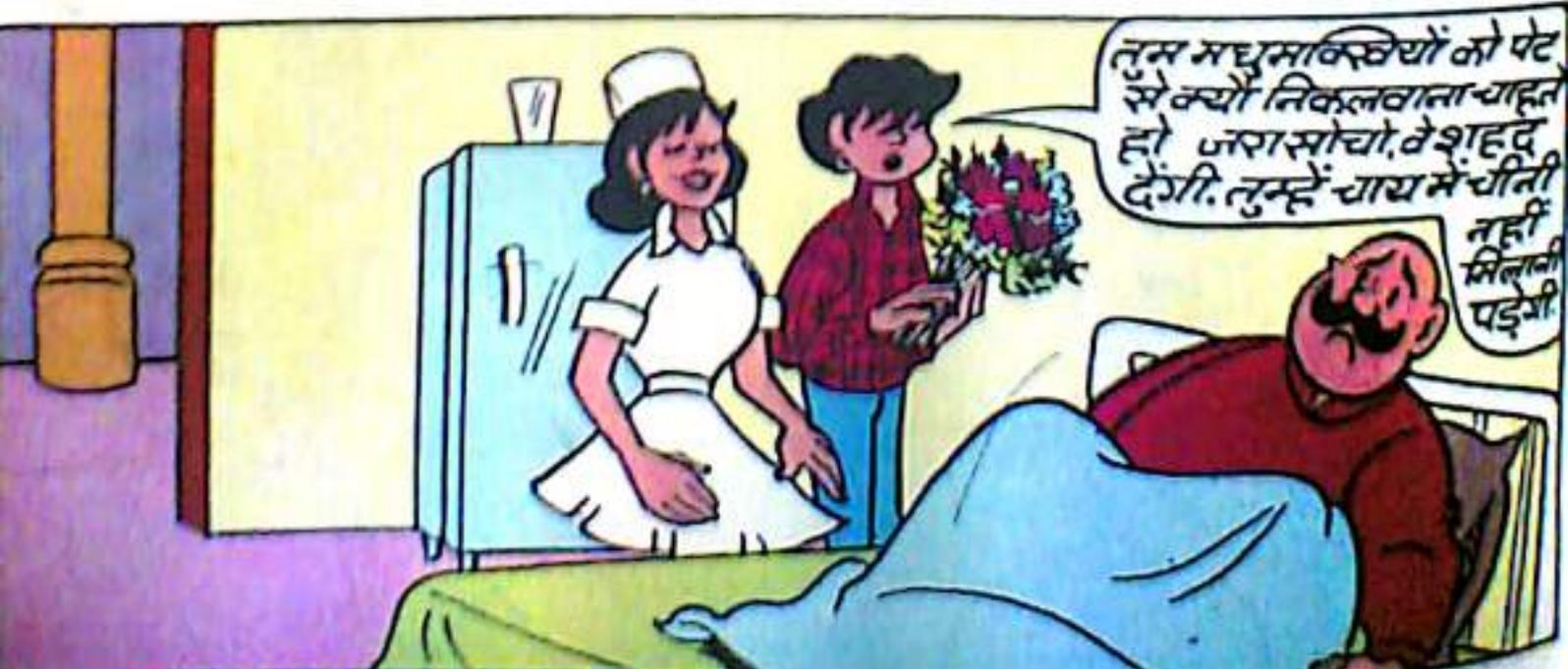
मैं एक बादशाह हूँ. शान से..



ऐसे नहीं. तुम तो एक गुलाम की तरह सिर नीचे करके खड़े हो.







# मोती की फील्डिंग



कुत्ता पिच पर गड़ढा कर रहा है।



वह नाराज है कि हम उसे खिला नहीं रहे.

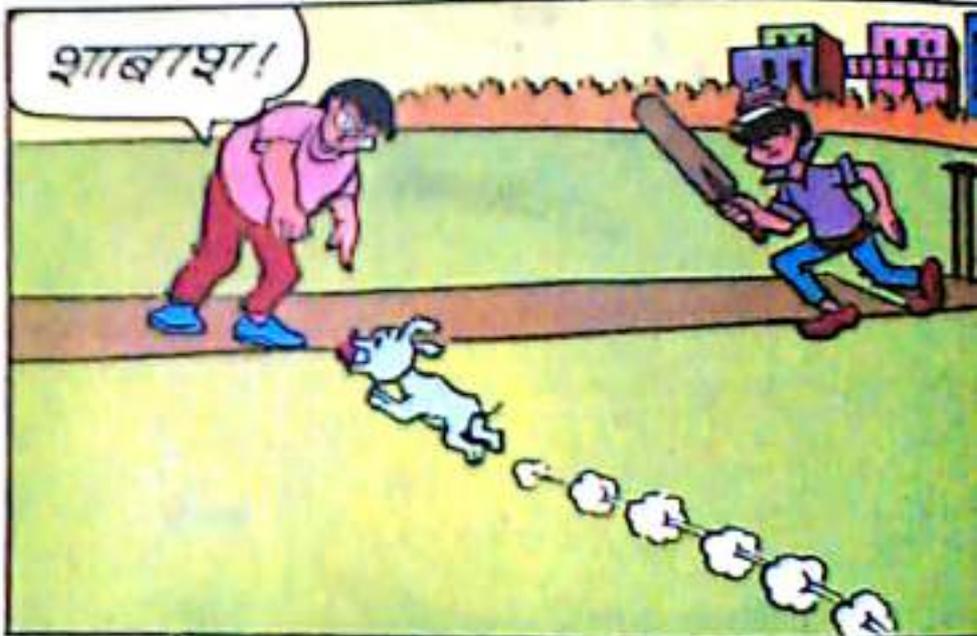


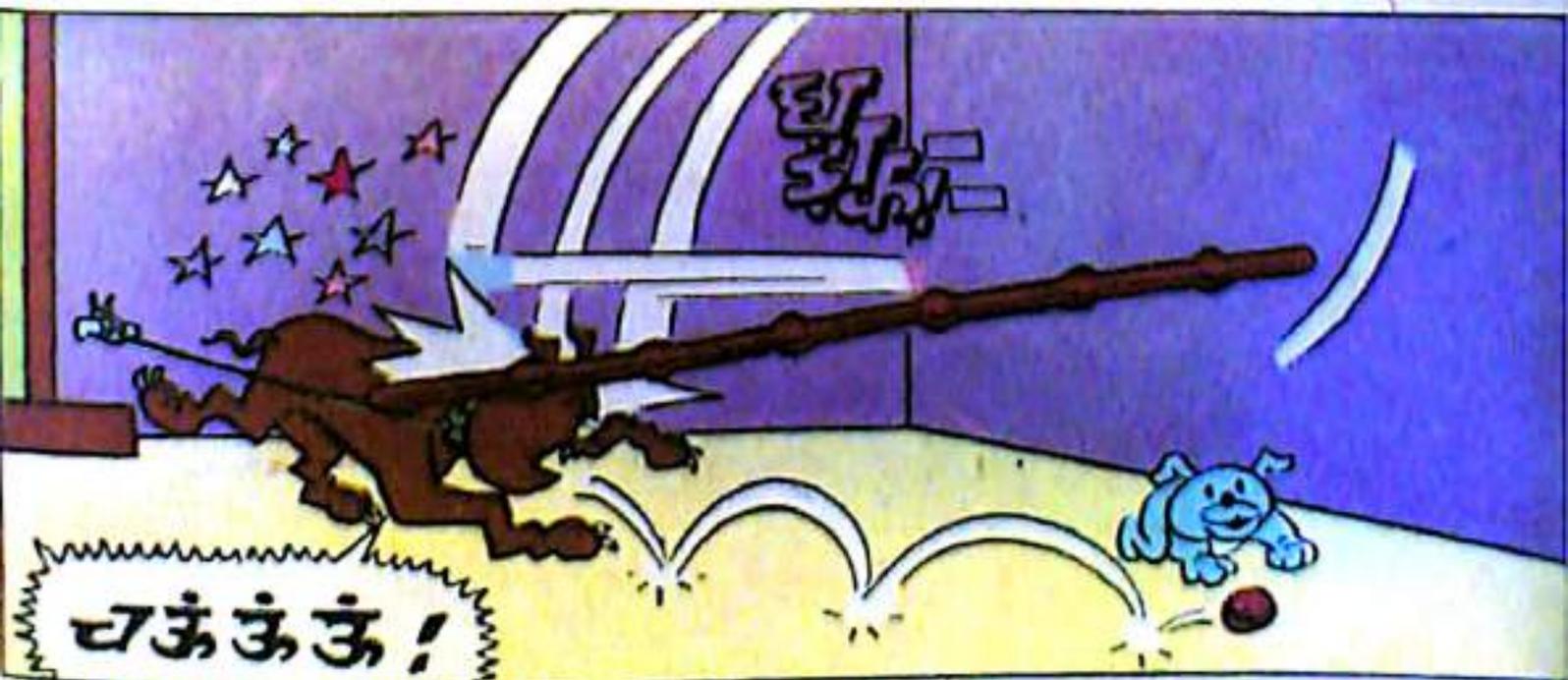
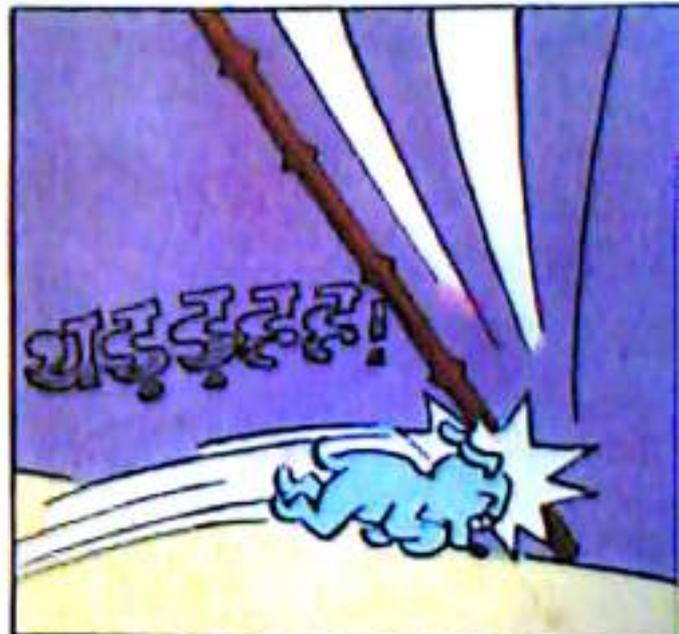
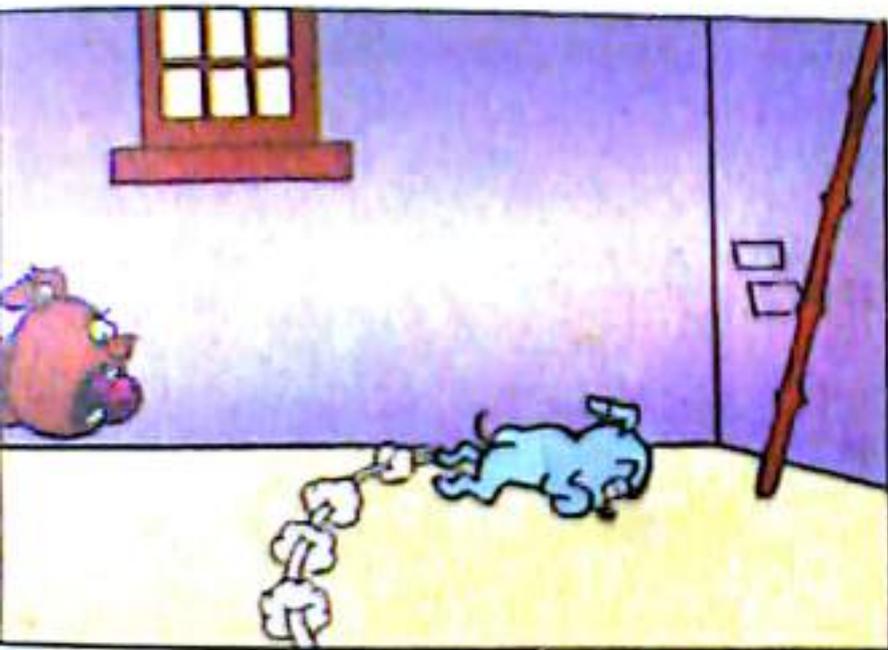
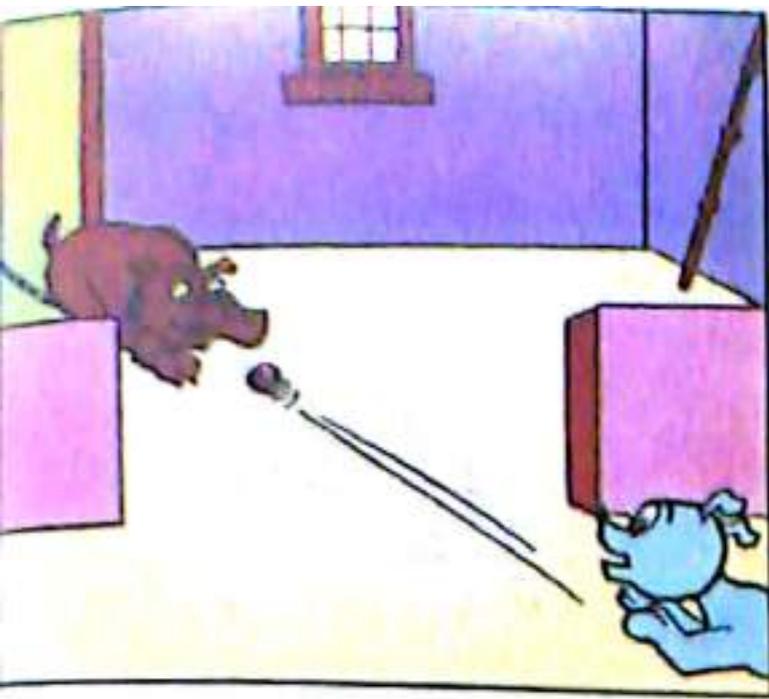
ठीक है. हम तुम्हें फील्डर बना सकते हैं. अब तो खुश?

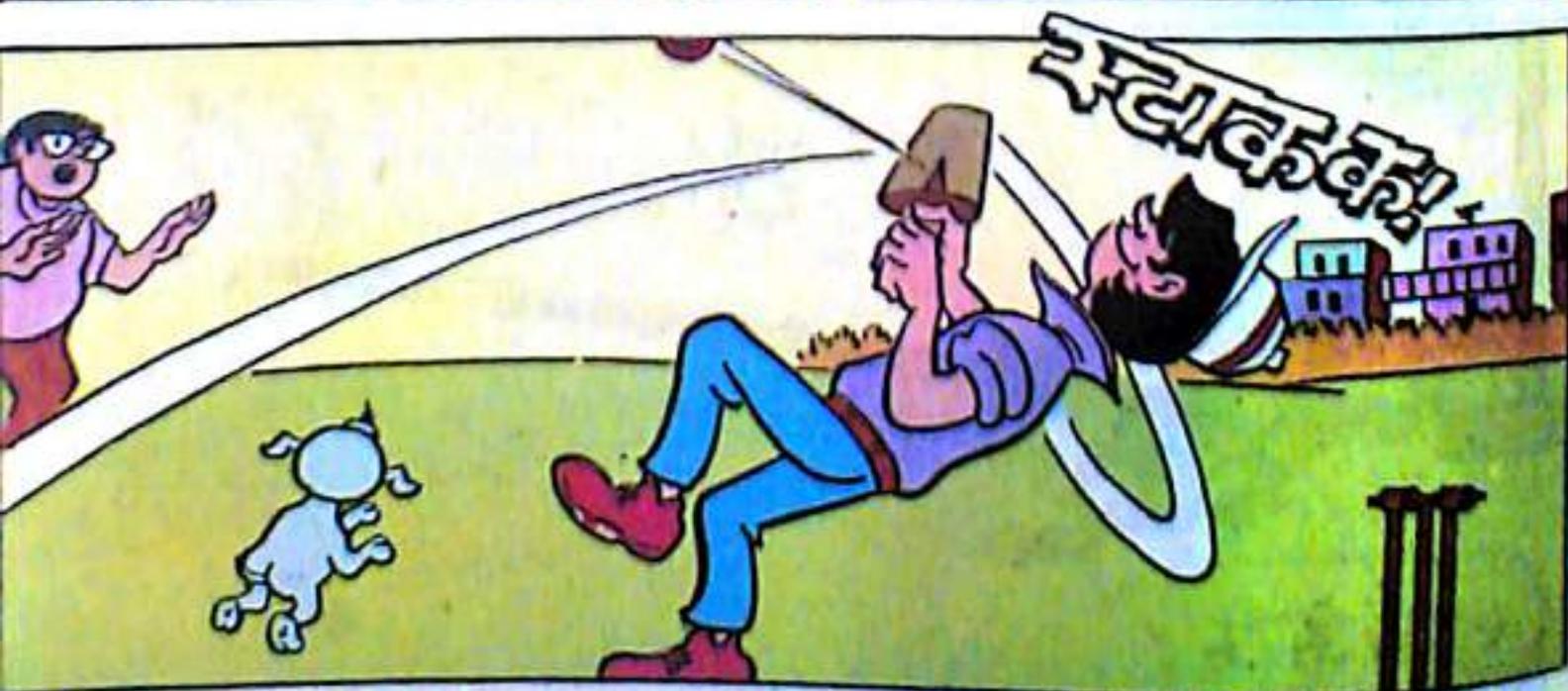
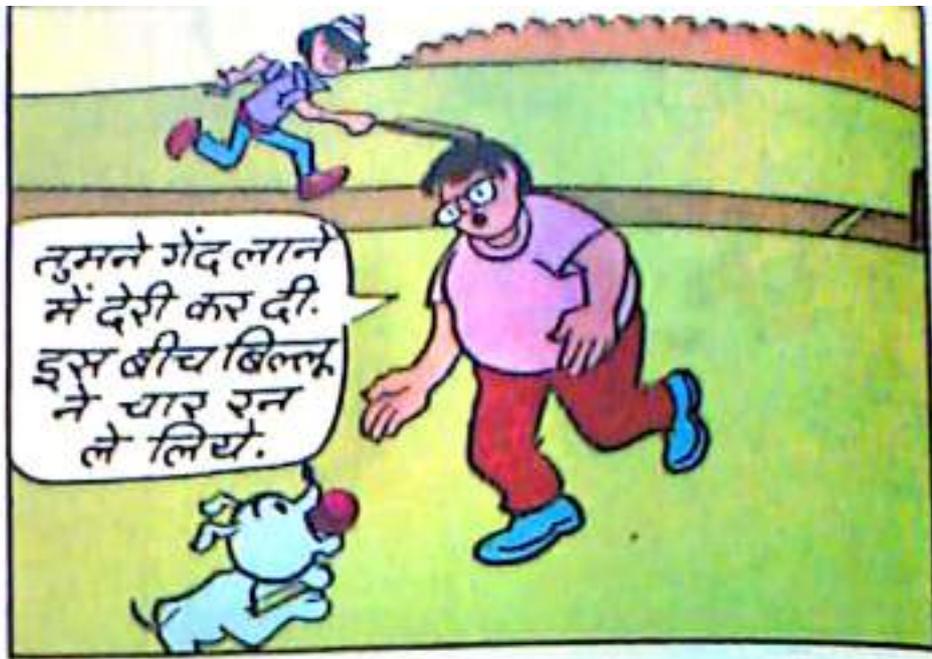


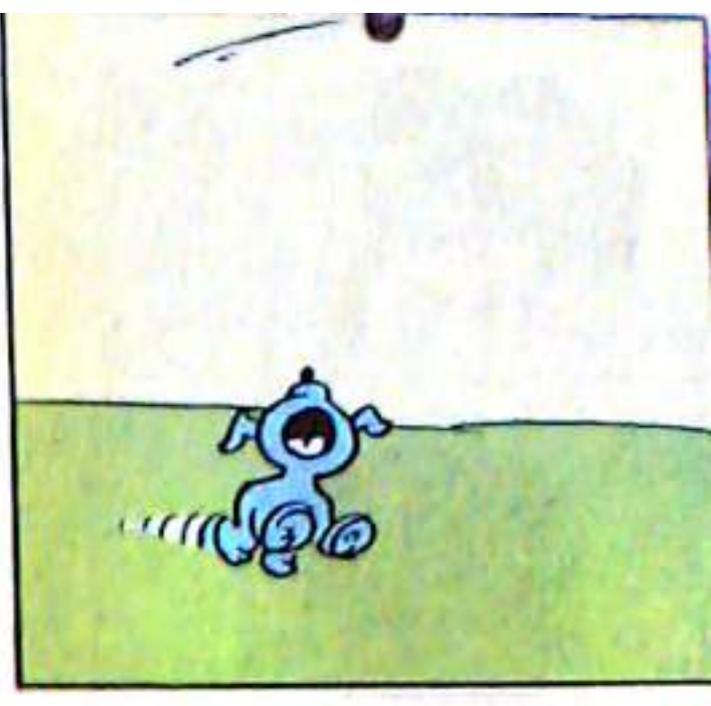
बिल्लू! लो आयी मेरी गेंद!











# नाज़ा खामाचाच



बिल्लू! सवेरे ही तुम टी.वी. ऑन करके बैठ गये?

पापाजी! चौबीस घंटे चैनल्स इसीलिए दिखाये जाते हैं कि जब जी चाहे उन्हें देखो.



फिर मैंने स्कूल का सारा होमवर्क कर लिया है और मैं फुर्सत में हूँ.



लेकिन सारा दिन टी.वी. चलेगा तो बिजली का बिल ज्यादा आयेगा. समझे बरसुरदार!











# करिश्मा



बजरंगी पहलवान!  
उदास क्यों हो?



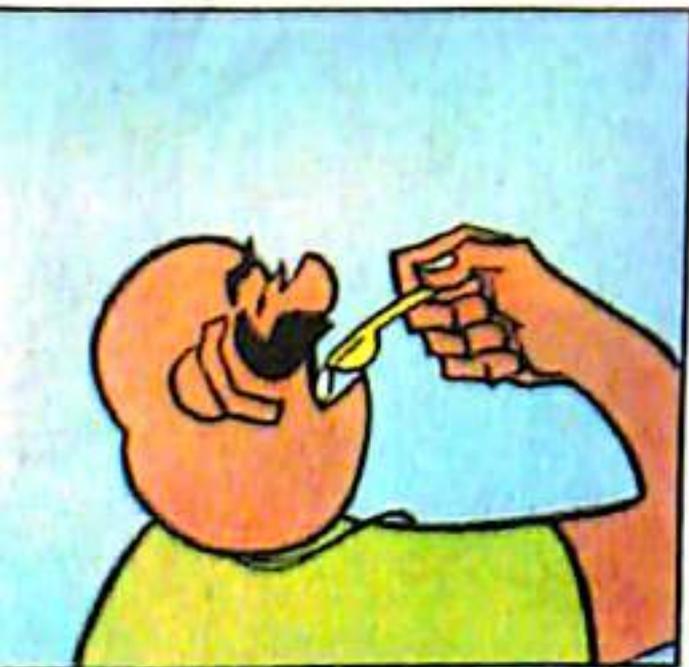
बिल्लू! मेरी  
उम्र बढ़  
रही है।  
मेरी ताकत  
घटती जा  
रही है।

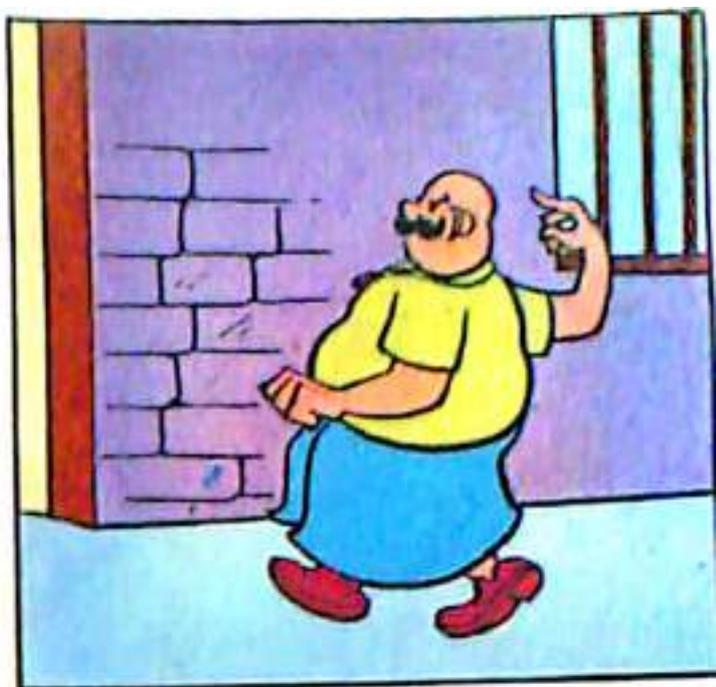


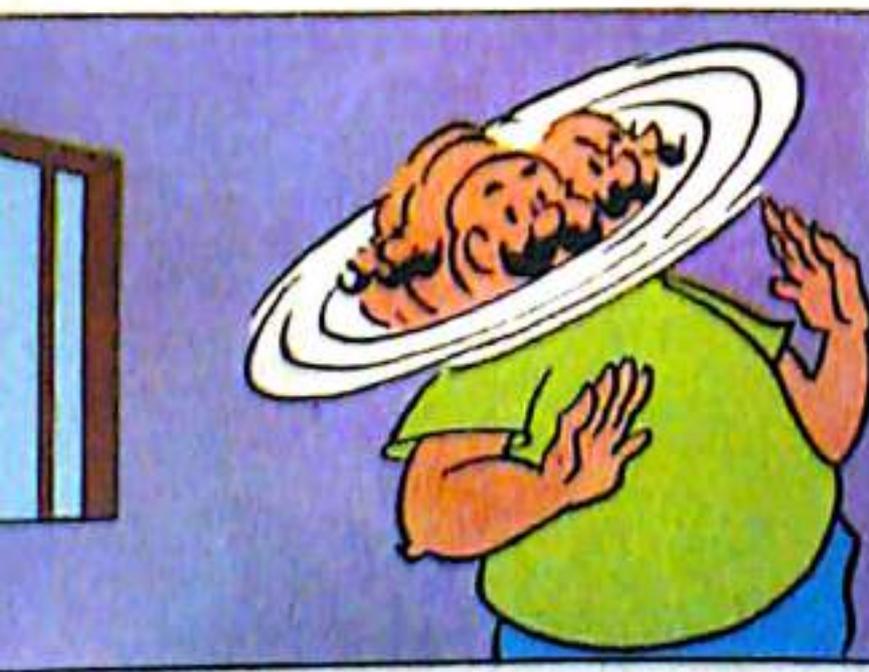
पहले मैं पांच हजार दंड-बैठक  
लगा लेता था. अब मैं जल्दी थक  
जाता हूं. मुझे डर है कि कोई  
पहलवान मुझे हराकर रूस्तम-  
हिन्द का खिताब  
हासिल न कर ले.



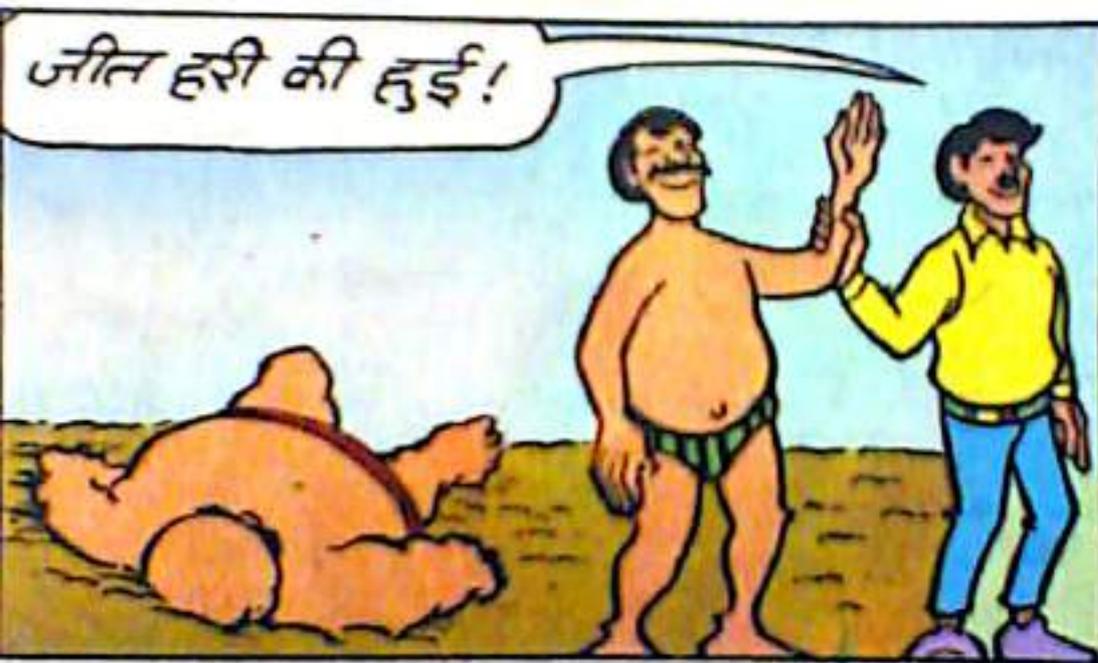
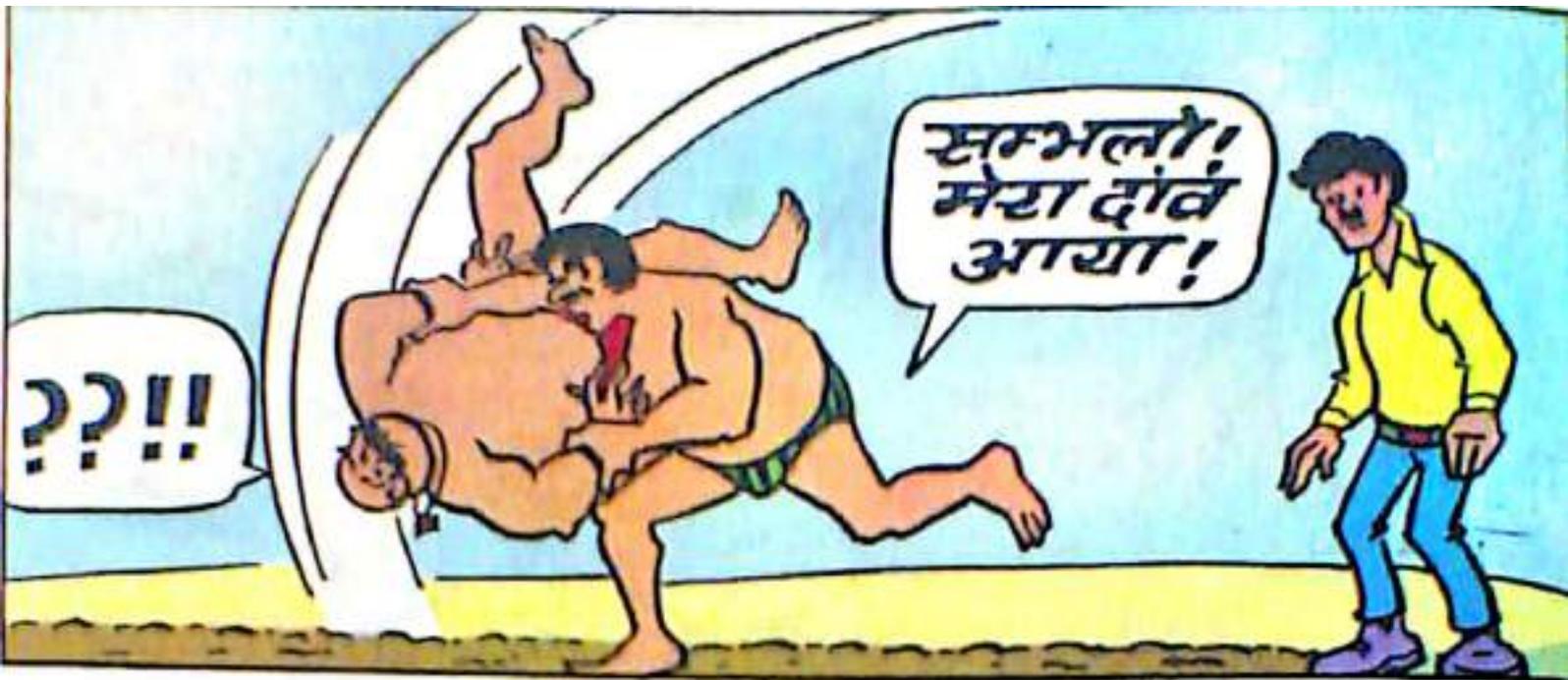
फिरु की कोई बात नहीं.  
मैं वेदा गंगजान को  
जानता हूं जो तुम्हें  
ऐसी दवाई देंगे जो  
तुम्हें सुपरमैन बना  
देगी.











# अच्छी पोस्ट



बिल्लू! क्या हालचाल है?

तुमने जवाब नहीं दिया? क्या तुम इतने अभद्र हो गये हो?

बिल्लू! जवाब दो!



सॉरी! जोड़ी में इयरफोन लगाकर म्यूजिक सुन रहा था.

अगर तुमने इस बार जवाब न दिया होता तो मैं वापस चली जाती.

© FRANK'S FEATURES





पता नहीं बिल्लू को अंकल ने नौकरी दी या नहीं?

मुझे उनके आफिस जाकर देखना चाहिए.

अंकल! मैंने बिल्लू को काम के लिए भेजा था.

हां, मैंने उसे नौकरी दे दी है.

कैसी?

वह ऊंची पोस्ट चाहता था.

सो मैंने उसे धूल के पंखे साफ करने वाला कर्मचारी बना दिया.